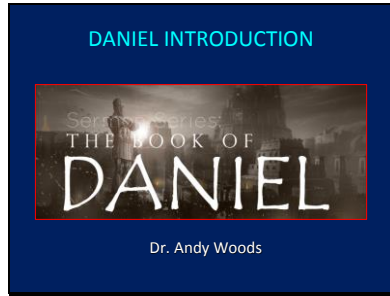


Slide 1



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

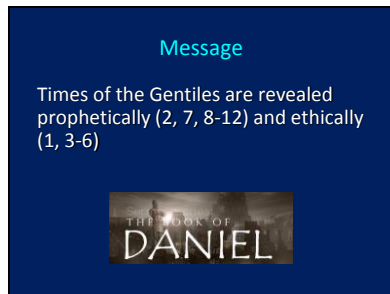
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 4

**Purpose**

- To encourage Judah by emphasizing the sovereignty of God during the Babylonian captivity and to teach Judah how to live while outside the land
- Bifurcating Daniel



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

**Synthetic Outline**

I. Historical (1-7):

Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

**Synthetic Outline**

II. Prophetic (8-12):

Angel interprets, 1st person, Jewish nation, Hebrew

- A. Ram & Goat (8)
- B. 70 weeks (9)
- C. Final vision (10-12)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

A. **Intro "Hebrew" (1)**  
B. *Aramaic chiasm* (2-7)

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 8

**Focus of chapter 1**

- Introductory information 
- Stage setting for displaying God's sovereignty
- How God will preserve a remnant (Jer. 31:35-37)

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 9

**Chapter 1 Outline**

- Daniel's circumstances (1:1-2)
- Daniel's selection (1:3-7) 
- Daniel's dedication (1:8-16)
- Daniel's blessing (1:17-21)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 10

**Chapter 1 Outline**

- Daniel's circumstances (1:1-2)
- Daniel's selection (1:3-7)
- Daniel's dedication (1:8-16)
- Daniel's blessing (1:17-21)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

**Captivity of the Jews (1:1-2)**

- Nebuchadnezzar's siege (1:1)
  - ◆ Deut. 28:49
  - ◆ 3 sieges
    - ◆ 605 (Dan 1:1, Daniel and a few princes, Jehoiakim)
    - ◆ 596 (2 Kings 24:10-16, majority, Ezekiel, Jehoiachin)
    - ◆ 586 (2 Kings 25:1-21, remnant captured, Jerusalem and temple destroyed, Zedekiah)
- Nebuchadnezzar's booty (1:2)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**Captivity of the Jews (1:1-2)**

- Nebuchadnezzar's siege (1:1)
  - ◆ Deut. 28:49
  - ◆ 3 sieges
    - ◆ 605 (Dan 1:1, Daniel and a few princes, Jehoiakim)
    - ◆ 596 (2 Kings 24:10-16, majority, Ezekiel, Jehoiachin)
    - ◆ 586 (2 Kings 25:1-21, remnant captured, Jerusalem and temple destroyed, Zedekiah)
- Nebuchadnezzar's booty (1:2)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

**Succession of Gentile Rulers**

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media-Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media-Persia
- 10-12: Cyrus of Media-Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

**Succession of Gentile Rulers**

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media-Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media-Persia
- 10-12: Cyrus of Media-Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

**Captivity of the Jews (1:1-2)**

- Nebuchadnezzar's siege (1:1)
  - ◆ Deut. 28:49
  - ◆ 3 sieges
    - ◆ 605 (Dan 1:1, Daniel and a few princes, Jehoiakim)
    - ◆ 596 (2 Kings 24:10-16, majority, Ezekiel, Jehoiachin)
    - ◆ 586 (2 Kings 25:1-21, remnant captured, Jerusalem and temple destroyed, Zedekiah)
- Nebuchadnezzar's booty (1:2)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 19

**Six Parts of a Suzerain-Vassal Treaty in Deuteronomy**

- Preamble (1:1-5)
- Prologue (1:6-4:40)
- Covenant obligations (5-26)
- Storage and reading instructions (27:2-3; 31:9, 24, 26)
- Witnesses (32:1)
- **Blessings and curses (28)**




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20

**Captivity of the Jews (1:1-2)**

- Nebuchadnezzar's siege (1:1)
  - ◆ Deut. 28:49
  - ◆ **3 sieges**
    - ◆ 605 (Dan 1:1, Daniel and a few princes, Jehoiakim)
    - ◆ 596 (2 Kings 24:10-16, majority, Ezekiel, Jehoiachin)
    - ◆ 586 (2 Kings 25:1-21, remnant captured, Jerusalem and temple destroyed, Zedekiah)
- Nebuchadnezzar's booty (1:2)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

<b>NEBUCHADNEZZAR'S 3 SIEGES OF JUDAH</b>			
	<b>1</b>	<b>2</b>	<b>3</b>
<b>Year</b>	605	597	586
<b>Scripture</b>	2 Kings 24:1; Dan.1:1	2 Kings 24:10-16; Ezek. 1:1-2	2 Kings 25:1-2, Ezek 33:21
<b>Judah's king</b>	Jehoiakim	Jehoiachin	Zedekiah
<b>Those taken</b>	Daniel & some princes	Ezekiel & majority 10k	Remnant captured, Jerusalem & Temple destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---







Slide 28




---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 29




---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 30

Babylon = Shinar

- Past: Gen 11:2
- Present: Dan 1:2
- Future: Zech 5:11 and Rev 17-18

---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 31

**Babylon = Shinar**

- Past: Gen 11:2
- Present: Dan 1:2
- Future: Zech 5:11 and Rev 17-18



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

**Genesis 11:1-4**

<sup>1</sup> Now the whole earth used the same language and the same words. <sup>2</sup> It came about as they journeyed east, that they found a plain in the land of Shinar and settled there. <sup>3</sup> They said to one another, "Come, let us make bricks and burn them thoroughly." And they used brick for stone, and they used tar for mortar. <sup>4</sup> They said, "Come, let us build for ourselves a city, and a tower whose top will reach into heaven, and let us make for ourselves a name, otherwise we will be scattered abroad over the face of the whole earth."



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

**Babylon = Shinar**

- Past: Gen 11:2
- Present: Dan 1:2
- Future: Zech 5:11 and Rev 17-18



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---






Slide 40

**Daniel's Selection (1:3-7)**

- **The selection (1:3)**
- **The program (1:4-5)**
  - ◆ Entrance requirements (1:4a)
  - ◆ Course of study (4b)
  - ◆ Physical provision (5a)
  - ◆ Length of study (5b)
- **The candidates (6-7)**
  - ◆ Hebrew names (6)
  - ◆ Babylonian names (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 41

**Daniel's Selection (1:3-7)**

- The selection (1:3)
- **The program (1:4-5)**
  - ◆ Entrance requirements (1:4a)
  - ◆ Course of study (4b)
  - ◆ Physical provision (5a)
  - ◆ Length of study (5b)
- The candidates (6-7)
  - ◆ Hebrew names (6)
  - ◆ Babylonian names (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 42

**Daniel's Selection (1:3-7)**

- The selection (1:3)
- The program (1:4-5)
  - ◆ Entrance requirements (1:4a)
  - ◆ Course of study (4b)
  - ◆ Physical provision (5a)
  - ◆ Length of study (5b)
- **The candidates (6-7)**
  - ◆ Hebrew names (6)
  - ◆ Babylonian names (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 43

**Daniel's Selection (1:3-7)**

- The selection (1:3)
- The program (1:4-5)
  - ◆ Entrance requirements (1:4a)
  - ◆ Course of study (4b)
  - ◆ Physical provision (5a)
  - ◆ Length of study (5b)
- The candidates (6-7)
  - ◆ **Hebrew names (6)**
  - ◆ Babylonian names (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

**Changing of the names**

- Jewish names (Deut. 6:6-7; Prov. 22:6)
  - ◆ Daniel-God is my judge
  - ◆ Hananiah-Yahweh is gracious
  - ◆ Mishael-Who is what God is?
  - ◆ Azariah-Yahweh has helped

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 45

**Daniel's Selection (1:3-7)**

- The selection (1:3)
- The program (1:4-5)
  - ◆ Entrance requirements (1:4a)
  - ◆ Course of study (4b)
  - ◆ Physical provision (5a)
  - ◆ Length of study (5b)
- The candidates (6-7)
  - ◆ Hebrew names (6)
  - ◆ **Babylonian names (7)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46

**Changing of the names**

- Babylonian names (Gen 2:19; Rom 12:2)
  - ◆ Beltshazzar-Lady protect the king
  - ◆ Shadrach-I am fearful of God
  - ◆ Meshach-I am of little account
  - ◆ Abed-nego-Servant of Nebo

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 47



“The philosophy of the school room in one generation will be the philosophy of government in the next.”

Cited in Mark A. Bellis and Stephen K. McDowell, *America's Providential History* (Charlottesville, VA: Providence, 1989), 95.

---

---

---

---

---

---

---

---

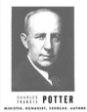
---

---

Slide 48

**Humanist Proselytizing**

“Education is thus a most powerful ally of Humanism, and every public school is a school of Humanism. What can the theistic Sunday-schools, meeting for an hour once a week, and teaching only a fraction of the children, do to stem the tide of a five-day program of humanistic teaching?”



Charles Francis Potter, *Humanism: A New Religion* (New York: Simon and Schuster, 1930), 128

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---









Slide 58

**Daniel's Dedication (1:8-16)**

- **First round (1:8-10)**
  - ◆ Daniel's resolve (1:8a)
  - ◆ Daniel's request (1:8b)
  - ◆ Commander's response (1:9-10)
- **Second round (1:11-16)**
  - ◆ Daniel's request (1:11-13)
  - ◆ Commander's response (1:14)
  - ◆ Results (1:15-16)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 59

**Daniel's Dedication (1:8-16)**

- **First round (1:8-10)**
  - ◆ Daniel's resolve (1:8a)
  - ◆ Daniel's request (1:8b)
  - ◆ Commander's response (1:9-10)
- **Second round (1:11-16)**
  - ◆ Daniel's request (1:11-13)
  - ◆ Commander's response (1:14)
  - ◆ Results (1:15-16)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 60

**Chapter 1 Outline**

- Daniel's circumstances (1:1-2)
- Daniel's selection (1:3-7)
- Daniel's dedication (1:8-16)
- **Daniel's blessing (1:17-21)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 61

**The 4 Jewish Youths Rise to Favor (1:17-21)**

- Their God-given knowledge (1:17)-1Cor 2:14, James 1:5
- Their exam before the king (1:18-20)
- The length of their service (1:21)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 62

**The 4 Jewish Youths Rise to Favor (1:17-21)**

- Their God-given knowledge (1:17)-1Cor 2:14, James 1:5
- Their exam before the king (1:18-20)
- The length of their service (1:21)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 63

**The 4 Jewish Youths Rise to Favor (1:17-21)**

- Their God-given knowledge (1:17)-1Cor 2:14, James 1:5
- Their exam before the king (1:18-20)
- The length of their service (1:21)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 64

**The 4 Jewish Youths Rise to Favor (1:17-21)**

- Their God-given knowledge (1:17)-1Cor 2:14, James 1:5
- Their exam before the king (1:18-20)
- The length of their service (1:21)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 65

**Basic Chronology**

- Babylon (605–539)
  - ◆ Nebuchadnezzar
  - ◆ Belshazzar
- Media-Persia (538–536)
  - ◆ Darius
  - ◆ Cyrus

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66

**The 4 Jewish Youths Rise to Favor (1:17-21)**

- The length of their service (1:21)
  - ◆ Nebuchadnezzar's initial siege (605)
  - ◆ Decree of Cyrus (536)
  - ◆ Daniel served for 69 years
  - ◆ Daniel served through 2 gentile empires and 4 successive gentile administrations

---

---

---

---

---

---

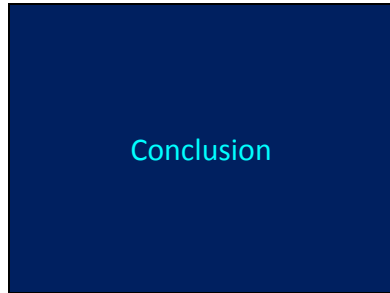
---

---

---

---

Slide 67




---

---

---

---

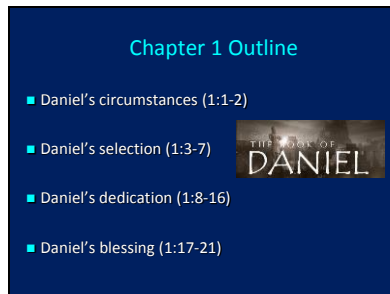
---

---

---

---

Slide 68




---

---

---

---

---

---

---

---

# 1

Jer. 1:6-7-Then I said, “Alas, Lord <sup>[a]</sup>GOD! Behold, I do not know how to speak, **Because I am a youth.**”<sup>7</sup> **But the LORD said to me, “Do not say, ‘I am a youth,’** Because everywhere I send you, you shall go, And all that I command you, you shall speak.

1 Tim. 4:12- **Let no one look down on your youthfulness,** but *rather* in speech, conduct, love, faith *and* purity, show yourself an example <sup>[e]</sup>of those who believe.

# 2

Gen. 2:10-14-Now a river <sup>[g]</sup>flowed out of Eden to water the garden; and from there it divided and became four <sup>[h]</sup>ivers.

<sup>11</sup> The name of the first is Pishon; it <sup>[i]</sup>flows around the whole land of Havilah, where there is gold. <sup>12</sup> The gold of that land is good; the bdellium and the onyx stone are there. <sup>13</sup> The name of the second river is Gihon; it <sup>[i]</sup>flows around the whole land of Cush. <sup>14</sup> The name of the third river is <sup>[k]</sup>**Tigris**; it <sup>[l]</sup>flows east of Assyria. And the fourth river is the <sup>[m]</sup>**Euphrates**.

Gen. 10:10-The beginning of his kingdom was <sup>[f]</sup>**Babel** and Erech and Accad and Calneh, in the land of **Shinar**.

Gen. 11:2-It came about as they journeyed east, that they found a plain in the land of **Shinar** and <sup>[c]</sup>settled there.

Zech. 5:5-11-Then he said to me, “To build a <sup>[i]</sup>temple for her in the land of **Shinar**; and when it is prepared, she will be set there on her own pedestal.”

Rev. 18:10-standing at a distance because of the fear of her torment, saying, ‘Woe, woe, **the great city, Babylon**, the strong city! For in one hour your judgment has come.’

## **6**

Deut. 6:6-7-These words, which I am commanding you today, shall be on your heart. <sup>7</sup> You shall teach them diligently to your sons and shall talk of them when you sit in your house and when you walk by the way and when you lie down and when you rise up.

Prov. 22:6-Train up a child <sup>[d]</sup>in the way he should go, Even when he is old he will not depart from it.



## 7

Gen. 2:19-20-Out of the ground the LORD God formed every beast of the field and every bird of the <sup>[p]</sup>sky, and brought *them* to the man to see what he would call them; and whatever the man called a living creature, that was its name. <sup>20</sup> The man gave names to all the cattle, and to the birds of the <sup>[q]</sup>sky, and to every beast of the field, but for <sup>[r]</sup>Adam there was not found a helper <sup>[s]</sup>suitable for him.

Gen. 1:26-28-Then God said, “Let Us make man in Our image, according to Our likeness; and let them **rule** over the fish of the sea and over the birds of the <sup>[ak]</sup>sky and over the cattle and over all the earth, and over every creeping thing that creeps on the earth.” <sup>27</sup> God created man in His own image, in the image of God He created him; male and female He created them. <sup>28</sup> God blessed them; and God said to them, “Be fruitful and multiply, and fill the earth, and **subdue it; and rule over** the fish of the sea and over the birds of the <sup>[al]</sup>sky and over every living thing that <sup>[am]</sup>moves on the earth.”

John 12:31-Now judgment is upon this world; now **the ruler of this world** will be cast out. <sup>32</sup> And I, if I am lifted up from the earth, will draw all men to Myself.

Luke 4:5-8-And he led Him up and showed Him all the kingdoms of <sup>[b]</sup>the world in a moment of time. <sup>6</sup> And the devil said to Him, “**I will give You all this domain and <sup>[c]</sup>its glory; for it has been handed over to me, and I give it to whomever I wish.** <sup>7</sup> Therefore if You <sup>[d]</sup>worship before me, it shall all be

Yours.”<sup>8</sup> Jesus answered him, “It is written, ‘YOU SHALL WORSHIP THE LORD YOUR GOD AND SERVE HIM ONLY.’”

2 Cor. 4:4- in whose case the **god of this <sup>[b]</sup>world** has blinded the minds of the unbelieving <sup>[c]</sup>so that they might not see the light of the gospel of the glory of Christ, who is the image of God.

Eph. 2:2-in which you formerly walked according to the <sup>[a]</sup>course of this world, according to the prince of **the power of the air**, of the spirit that is now working in the sons of disobedience.

1 John 5:19-We know that we are of God, and that **the whole world lies in the power of the evil one.**

1 John 2:15-17-Do not love the world nor the things in the world. If anyone loves the world, the love of the Father is not in him. <sup>16</sup>For all that is in the world, the lust of the flesh and the lust of the eyes and the boastful pride of life, is not from the Father, but is from the world. <sup>17</sup>The world is passing away, and *also* its lusts; but the one who does the will of God lives forever.

Rom 12:2-And do not be **conformed to this <sup>[c]</sup>world**, but be transformed by the renewing of your mind, so that you may <sup>[d]</sup>prove what the will of God is, that which is good and <sup>[e]</sup>acceptable and perfect.

Jas. 1:27- Pure and undefiled religion in the sight of *our* God and Father is this: to visit orphans and widows in their distress, *and* to **keep oneself unstained <sup>[ac]</sup>by the world.**

Rom 12:2-And do not be conformed to this <sup>[c]</sup>world, but be transformed by the **renewing of your mind**, so that you may <sup>[d]</sup>prove what the will of God is, that which is good and <sup>[e]</sup>acceptable and perfect.

Eph. 6:17- And take **THE HELMET** OF SALVATION, and the sword of the Spirit, which is the word of God.

Heb. 10:25- **not forsaking our own assembling together**, as is the habit of some, but encouraging *one another*; and all the more as you see the day drawing near.

Philip 2:15- so that you will <sup>[i]</sup>prove yourselves to be blameless and innocent, children of God above reproach in the midst of a crooked and perverse generation, among whom you <sup>[j]</sup>appear as <sup>[k]</sup>lights in the world

## **8**

Exod. 34:15-otherwise you might make a covenant with the inhabitants of the land and they would play the harlot with their gods and sacrifice to their gods, and someone might invite you <sup>[m]</sup>**to eat of his sacrifice**.

## **15**

Deut. 10:13- *and* to keep the **LORD'S commandments and His statutes** which I am commanding you today **for your good?**

Prov. 13:15- Good understanding produces favor, But **the way of the treacherous is hard**.

Gal. 6:7-8-Do not be deceived, God is not mocked; for whatever a man sows, this he will also reap. <sup>8</sup>For the one who sows to his

own flesh will from the flesh reap corruption, but the one who sows to the Spirit will from the Spirit reap eternal life.

Rom. 6:23- For the **wages of sin** is death, but the free gift of God is eternal life in Christ Jesus our Lord.

## **17**

Dan. 2:21- “It is He who changes the times and the epochs; He removes kings and <sup>[ab]</sup>establishes kings; **He gives wisdom to wise men And knowledge to <sup>[ac]</sup>men of understanding.**

1 Cor. 2:14- But <sup>[f]</sup>a natural man does not accept the things of the Spirit of God, for they are foolishness to him; and he cannot understand them, because they are spiritually <sup>[g]</sup>appraised.

John 15:14-15-You are My friends if you do what I command you. <sup>15</sup>No longer do I call you slaves, for the slave does not know what his master is doing; but I have called you friends, for all things that I have heard from My Father I have made known to you.

Jas. 1:5- But if any of you lacks wisdom, let him ask of God, who gives to all generously and <sup>[h]</sup>without reproach, and it will be given to him.

Jer. 33:3-Call to Me and I will answer you, and I will tell you great and mighty things, which you do not know.’

Prov. 1:7- The fear of the LORD is the beginning of knowledge; Fools despise wisdom and instruction.

## **Concision**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;<sup>25</sup> The LORD  
make His face shine on you, And be gracious to you;<sup>26</sup> The  
LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'